[Shri Anand Prakash Gautam] (vi) Report on Study Tour of Study Group I of the Committee to Visakhapatnam, Kaoraput, Bhubaneshwar, Calcutta and Imphal during January, 1992;

(vii) Report on Study Tour of Study Group II of the Committee to Indore, Bhopal, Bombay, Bangalore and Cochin during January, 1992; and

(viii) Second Report of the Committee on the Action Taken by the Government on the recommendations contained in their Sixth Report (9th Lok-Sabha) on reservations for and employment of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in Indian Airlines.

RE. FIRING AND LATHI CHARGE ON A PROCESSION ON OCCASION OF MAHAVIR JAYANTHI AT HYDERABAD

श्रीमति चन्द्रिका अभिनन्दन जैन : (महाराष्ट्र) : हैदराबाद में बहुत सारे लोग जख्मी हुए हैं, घायल हुए हैं... (व्यवधान) म

THE DEPUTY CHAIRMAN: What happened? *{Interruptions)* You can say that from your seat. Go back. Please. *{Interruptions)*

अपनी जगह पर आइये।

Mr. Jain, I will permit you. Pleas tit down. Please take your seat.

अबरार साहब बैठिये... (व्यवधान) परमिशन दी है चेयरमैन साहब ने (व्यवधान)

I will allow you, Dr. Abrar Ahmed. I can see you. *{Interruptions)*

I will allow you.

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन (मध्य प्रदेश) : मैडम, 15 तारीख को अहिंसा के साथ... (व्यवधान) भगवान महावीर की जयंती मनाई जा रही थी और हैदराबाद में एक बड़ा जलूस चल रहा था। जैन समाज के लोग अहिंसा धर्म में विश्वास रखते हुए (व्यवधान) भगवान महावीर जी के नारे लगाते हुए चल रहे थे। आंध्र प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने (व्यवधान) गोली चलाई और लाठी चलाई (व्यवधान) और उसके कारण (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will permit you.

आप बैठिए अपनी जगह पर।

आर्डर।... (व्यवधान)

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन : 33 किलोमीटर दूर है। जैन समाज के अनुयायी जो... (व्यवधान) उन्होंने कहा कि (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार) : महोदया, कई दिनों से... (व्यवधान)

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन : वहां पर एक इन्क्वायरी कमेटी बैठाइये। मैडम, उस इन्क्वायरी कमेटी में ... (व्यवधान) निहत्थे, अहिंसक लोगों पर (व्यवधान) मैडम, मैं चाहता हूं कि इस सारे मामले की जो जांच करने की प्रक्रिया शुरू हुई है उसके टर्म्ज आफ रेफ्रेंस को सही कहा जाए अभी जो इन्क्वायरी कमेटी बैठी है उस इन्क्वायरी कमेटी को जांच करनी चाहिए पुलिस के खिलाफ; उस अफसर के खिलाफ जिन्होंने अहिंसा के पुजारियों पर हिंसा की, ऐसे लोगों की इन्क्वायरी होनी चाहिए। ... (व्यवधान)

उपसभापति : पाण्डेय जी, आप बैठ जाइये। आप बोलिए। आप बोलिए आपको इजाजत दी है।

श्री नरेश पुगलिया : (महाराष्ट्र) : मैडम, यहां से इजाजत दी जाए। ... (व्यवधान)

उपसभापति : सुषमा जी, यह वही सब्जैक्ट पर बोल रहे हैं। ... (व्यवधान) आप अपनी सीट पर से बोलिए तो अच्छा लगता है। अपनी जगह पर से बोलिए तो अच्छा लगता है।... (व्यवधान) ... एक मिनट, आर्डर।

श्री नरेश पुगलिया : उपसभापति महोदया, 15 अप्रैल को महावीर जयंती के जलूस पर ... (व्यवधान) मैडम, मुझे बात करनी है। हैदराबाद में जो जलूस निकला था उस जलूस में पांच हजार से ज्यादा लोग थे।... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Order, please. *(Interruptions)* Mr. Mann, I am not permitting you. Please sit down.

आप अपनी जगह से बोलिए तो अच्छा लगेगा ।

श्री नरेश पुगलिया : आपकी इजाजत लेकर, मैडम **(व्यवधान)**

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम निर्देशित): पहले मुझे कहिए । . . . **(व्यवधान)**

उपसभापति : सरदार साहब, अगर 4 आदमी एक साथ बोलेंगे तो कैसे **(व्यवधान)**

श्री भुपेन्द्र सिंह मान : पहले आप मुझे कहिए ।

उपसभापति : मैं आपको पहले कैसे कहूं जबकि मैंने पहले दूसरे को एलाउ कर दिया है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान : इसलिए मैंने कहा है . . . **(व्यवधान)**

उपसभापति : आप बैठिए, मैं इजाजत दूंगी । आप अपनी जगह पर जाइये, मैं आपको इजाजत दूंगी । . . . **(व्यवधान)**

You are a *very* law-abiding Member. Please go back, I will allow you. *(Interruptions)* Not at the same time. *(Interruptions) I* know everything which is spoken in this House is very important.

आप भी कृपया अपनी जगह पर तशरीफ ले जाने का कष्ट करेंगे। बोलिए।

श्री नरेश पुगलिया : मैडम, 15 अप्रैल को हैदराबाद में महावीर जयन्ती का जो जलूस निकला था उस जलूस में 5000 लोग उपस्थित थे । . . . **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. You want to be heard. I will allow you, but not now, *(Interruptions)* You have made your point. You cannot take nil the time of the House.

श्री नरेश पुगलिया : मैडम, 15 अप्रैल को महावीर जयन्ती के अवसर पर . . . **(व्यवधान)**

उपसभापति : आप बैठिए । . . . **(व्यवधान)** बैठिए ।

श्री नरेश पुगलिया : हैदराबाद में जो महावीर जयंती का जलूस निकला था उस जलूस में 5000 से ज्यादा लोग थे और एक किलोमीटर लंबा वह जलूस था । शांतिप्रिय जैन समाज का सिर्फ हैदराबाद में ही नहीं, हर वर्ष सारे देश में महावीर जयन्ती का जलूस निकलता है। मैडम, यह जलूस 5 किलोमीटर चलने के बाद वहां की पुलिस ने उस जलूस को रोका और उन्होंने कहा कि आपकी परमीशन का समय हो चुका है, इसके आगे जलूस नहीं जाएगा । मैडम, वहां के जैन समाज ने निजाम कालेज के ग्राउंड पर भाषण की व्यवस्था रखी थी और जलूस में जो लोग चल रहे थे, उन्होंने रिक्वेस्ट की कि हमारे जलूस को बीच में न रोकते हुए उसे निजाम कालेज के ग्राउंड तक जाने दिया जाए। लेकिन उनका कहना था कि आपकी परमीशन का समय खत्म होने से हम आगे नहीं जाने देंगे । इस पर आपस में जब तूतू-मैंमैं चल रही थी, उतने में बाजू से बाल किशन नाम के एक सब-इंस्पेक्टर ने एक जैन व्यक्ति पर सीधा उसके चेस्ट पर फायर किया और तीन फायर बाद में किए जिससे कि चार लोग इंजोर्ड हुए। ये चार फायर होने के बाद जो वहां यंग जैन लोग थे, उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से जैन समाज के जलूस पर आपने फायर किया है, वह गलत है और वे लोग वहीं धरना देकर रोड़ पर बैठ गए जिससे कि ट्रैफिक जाम हो गया उसके बाद लाठी चार्ज किया गया । उतने में जस्टिस बछावत जोकि चीफ गेस्ट के रूप में वहां गए थे और वहां के लोकसभा के लोकल एम०पी० दोनों स्पाट पर आए और मध्यस्थता की । डी०सी०पी० भी वहां पहुंचे और उन्होंने कहा कि जिस सब-इंस्पेक्टर ने इस ढंग से फायर किया है, उस पर हम जरूर एक्शन लेंगे इसके बाद जलूस आगे बढ़ा और वह जलूस जब निजाम कालेज के ग्राउंड की

श्री नरेश पुगलिया]

शोर आ रहा था, उस पीरियड में पुलिस ने वायरलेस से इनफार्मेशन देकर और ज्यादा पुलिस का स्टाफ बुलवाया। जब यह जलूस निजाम कालेज के ग्राउंड पर पहुंचा तो उसके पहुंचने के पहले उन पर दूसरा अटैक किया गया जिसमें कि सैकड़ों लोग घायल हुए। उन्होंने महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने हवा में मोपन फायर किए। फिर ये सब घटना के बाद हैदराबाद और सिकंदराबाद दोनों सिटी बंद रहीं। जनता ने उसमें पूरा साथ दिया। जैन डेलीगेशन जब पुलिस कमिश्नर से मिलने गया तो उन्होंने मिलने से भी इंकार किया। वहां के मुख्य मंत्री व अन्य नेतागण भी तिरुपति में कांग्रेस का सेशन होने की वजह से नहीं थे। इस तरह पुलिस के बर्बरता से व्यवहार करने के बाद जब उन लोगों ने हम से फोन पर कांटक्ट किया तो मैंने पर्सनली विजिट देकर जो लोग जख्मी हुए थे और जिनको गोली लगी थी, उनसे बात की। उसके बाद मुख्य मंत्रीजी ने पुलिस कमिश्नर और दूसरे पुलिस अधिकारियों के साथ चर्चा की।

मैडम, इस सब के पीछे उनका यही कहना था कि समय होने के बावजूद भी जैन लोगों ने जुलूस को आगे क्यों बढ़ाया? मैडम, मैं आपसे जानना चाहूंगा और माननीय सदस्यों से कहना चाहूंगा कि अगर इस प्रकार के रिलीजियस जलूस जाने में घंटा-दो घंटा वह लेट हो जाता तो क्या हो जाता क्योंकि अगर यह जलूस शांतिप्रिय नहीं होता तो वहां 15 कांस्टेबुल्स और एक इंस्पेक्टर था और उनके होते हुए जब जुलूस पांच किलोमीटर तक शांति से जा सकता है तो आगे दो किलोमीटर भी जा सकता है, लेकिन इसके पीछे मुख्य कारण यह रहा कि वहां अल कबीर नाम का एक स्लाटर हाउस आ रहा है। प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के नाम पर दो हजार जानवर वहां रोज कटने वाले थे जिसके बारे में इस सदन में भी कई माननीय सदस्यों ने आवाज उठाई थी। उपसभापति महोदया, वह यूनिट इसके पहले महाराष्ट्र के भिवंडी में 1982-83 में आई थी। वहां पर भी फायरिंग हुई और लोगों ने आंदोलन किया था। उस समय शंकर राव चव्हाण जो जोकि हमारे गृह मंत्री हैं, उस समय उन लोगों ने इंटरवीन किया और भिवंडी से उनकी परमीशन कैंसिल हुई। कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु तीनों स्टेट्स में उन्होंने परमीशन मांगी, लेकिन किसी सरकार ने परमीशन नहीं दी। आंध्र सरकार ने वर्ष 87-88 में परमीशन दी। मैडम, यह अल कबीर का जो स्लाटर हाउस है वह मिडिल ईस्ट में पूरा एक्सपोर्ट करने वाला है जिससे कि पशुओं की संख्या कम होने वाली है। पशु बचाओ, देश बचाओ का नारा उस महावीर जयंती के जुलूस में भी था। भगवान महावीर की जय, अहिंसा परमोधर्म की जय और तीसरा नारा था पशु बचाओ, देश बचाओ। यह पशु बचाओ, देश बचाओ अल कबीर के खिलाफ नारा है। उससे चिढ़कर पुलिस ने जानबूझकर बदला लेने के लिए यह कार्यवाही की है।

उपसभापति : अब उन्हें भी बोलने दीजिए।

श्री नरेश पुगलिया : इस संबंध में मैडम, एक प्रतिनिधि मंडल के चव्हाण साहब से मिलने के बाद, प्रधान मंत्री जी से मिलने के बाद, प्रधान मंत्री जी ने इसमें इंटरवीन किया। मैडम राज्य के मुख्य मंत्री ने जो इंक्वायरी...

उपसभापति : हां, आप बोलिए महिला को भी बोलने दीजिए।

श्री नरेश पुगलिया : उस जूडिशियल इंक्वायरी में सेशन जज को अपाइंट किया है, लेकिन मेरी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट के जज के माध्यम से इस घटना की इंक्वायरी की जाए और जिन लोगों ने यह गैर जिम्मेदाराना कार्यवाही की है उनके खिलाफ उचित कार्यवाही की जाए मैडम, मैं उम्मीद करता हूं कि इस सदन के नेता चव्हाण साहब इस मामले में

इंटरवीन करेंगे और . . . (व्यवधान) . . . हाउस में अनाउंस करेंगे ।

उपसभापति : आप बोलिए । नरेश पुगलिया जी, आप बैठ जाइए ।

श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन : उपसभापति महोदया, 15 अप्रैल को महावीर जयंती के दिन यह घटना हुई है । महोदया, आपको पता है कि हम सब जैन समाज में आस्था रखते हैं, अहिंसा और शांतिपूर्ण प्रोसेशन में विश्वास रखते हैं । . . . (व्यवधान) . . .

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) : महोदया, यह जो लाठीचार्ज हुआ है, इस पर गृह मंत्री जी इस सदन में बयान दें, यह हमारी मांग है । . . . (व्यवधान) . . .

श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन : महोदया, यह किस्सा हुआ है 15 अप्रैल को और आज तक भी उस पर सुनवाई नहीं हो पा रही है । हम होम मिनिस्टर साहब से मिले थे, प्राइम-मिनिस्टर साहब से हमारी मुलाकात हुई थी, पूरा जैन डेलीगेशन गया हुआ था । आज पूरा जैन समाज देश भर का आंदोलन के रास्ते पर उतरा हुआ है । हम चाहेंगे कि यह जो जांच-पड़ताल करने का आदेश जारी हुआ है, चीफ मिनिस्टर आंध्र प्रदेश ने यह 25 तारीख को कदम उठाया है । यह किस्सा 15 अप्रैल का है, फायरिंग हो गई, एक अनहोनी बात हुई है कि जैन समाज के लोगों पर, जो इतने शांतिप्रिय लोग हैं उनके ऊपर, फायरिंग हुई है । हम चाहते हैं कि सिटिंग जज आफ दी हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट की नियुक्ति की जाए, जिसके द्वारा जांच-पड़ताल की जाए । . . . (व्यवधान) . . .

महोदया, होम-मिनिस्टर साहब यहां पर बैठे हैं । मैंने उनसे बात भी की है । मेरी यह गुजारिश है कि वह इस पर आश्वासन दें । . . . (व्यवधान) . . .

उपसभापति : होम मिनिस्टर साहब, आप कुछ कहेंगे इस विषय पर ।

गृह मंत्री (श्री एस० बी० चव्हाण) : मैडम, मैंने जो चीज अभी सुनी है, उसके बाद . . . (व्यवधान) . . .

SHRI MENTAY PADMANABHAM (Andhra Pradesh): Madam, this is a matter which concerns Andhra Pradesh. Let me have a say on this.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI S. JAIPAL REDDY): Madam, let us have a say on this matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN. The Leader of the Opposition. *(Interruptions).* Yes, Mr. Jaipal Reddy.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, she is still on.

श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन : महोदया, दूसरी खतरनाक बात तो यह है कि पुलिस वहां मन्दिरों में जाकर के जांच-पड़ताल कर रही है । अभी भी तलाश जारी है । . . . (व्यवधान) . . . महोदया, 200 लोगों को उन्होंने पकड़ा भी है और इन लोगों को रिहा नहीं किया गया है । इस प्रकार जैन समाज पर जो ज्यादती है वह बर्दाश्त के बाहर की बात है । . . . (व्यवधान) 30 अप्रैल को हम आंदोलन करना चाहते हैं । मैं चाहती हूं कि पूरे जितने एम०पीज० यहां मौजूद हैं, उसमें शरीक हो जायें ।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, 1 wish to associate myself with the sentiments expressed by Mr. Naresh Puglia and others in regard to this incident. This incident took place in Hyderabad, as has been mentioned, on 15th April and this incident was absolutely unprovoked. Jains in Hyderabad and all over the world have been known for their peace-loving conduct and they did not indulge in any provocative kind of behaviour. I also think that there was some kind of conspiracy behind what really happened. I am also shocked at the indifference with which the Congress (I) Government in Andhra Prarfeih reacted to the whole incident. I do not want to make it a matter of partisan debate. But the Government of Andhra Pradesh has been defending and shieldtne the

[Shri S. Jaipal Reddy]

guilty police officers. I therefore suggest that the Home Minister should obtain information from the Government of Andhra Pradesh and make a statement *on* the incident in this House.

SHRI MENTAY PADMANABHAM: Madam, I would say only one word. *(Interruptions)* Madam, I do not want to politicalise this incident which has taken place in Hyderabad on the 15th of this month. Ever since the Congress party came to power in Andhra Pradesh. . *(Interruptions) I* am only talking about civil liberties. The Government is known for its scant respect for the civil liberties of the people of Andhra Pradesh. It has been trampling upon the basic, minimum rights that the people generally enjoy in the State. And this is one more incident where the Government had not been able to take any preventive measures. And even after the incident, the Government's attitude is to support the police officers. Madam, what is going on in Andhra Pradesh is Police Raj, not any political Raj. The behaviour of the police, not only in this particular incident, but in all incidents, is most reprehensible The way in which the Government of Andhra Pradesh wants to whitewash the entire thing by appointing an inquiry committee is also suspect. Therefore, I fully agree with the demand of my friends on the other side that a Supreme Court Judge should be appointed and a thorough inquiry should take place into this incident.

THE DEPUTY CHAIRMAN; It is more than one word, Mr. Mentay. If that is the 'paribhasha' of 'one word, I do not know what many words would be.

श्री सरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : मड़ोदया, शांतिप्रिय जैनियों के एक शांति प्रिय जलूस के ऊपर जो गोली चली, उसका मूल कारण है आंध्र प्रदेश में जो स्लाटर हाउसिस चल रहे हैं और जिन स्लाटर हाउसिस को लाइसेंस एन०टी० रामाराव गवर्नमेंट ने दिया है । "अखं कबीर" एक ऐसी आरगेनाइ-जेशन है जिसने इनके इलेक्शन फंड में पैसा दिया, जिसके स्लाटर हाउसिस को लाइसेंस इन्होंने दिया । . . . (व्यवधान) . . . यह मांग जैनियों ने की . . . (व्यवधान) . . . जन्तुओं की हत्या बन्द करने के लिये जैनियों की यह मांग विश्वव्यापी है और सारे विश्व में वह मांग कर रहे हैं । (व्यवधान) . यह अपने आपको अर्ध-नारीश्वर कहने वाले लोग, इन्होंने यह स्लाटर हाउसिस के लाइसेंस दिये थे । . . . (व्यवधान) . . .

SHRI MENTAY PADMANABHAM: What is he talking? N. T. Rama Rao's Government was for upholding the civil liberties. (Interruptions).

श्री सरेन्द्र जीत सिंह अहलुवालिया : और स्लॉटर हाउसिस की एक लाबी ने वहां के पुलिस कमिश्नर को पैसा देकर यह कांड कराया है । यह अल्प-संख्यकों पर एक घोर अन्याय है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Home Minister wants to say something, Mr. Ambedkar, I will allow you afterwards.

SHRI S. B. CHAVAN: Madam, looking to the sentiments which have been expressed from both sides of the House. I do not propose to get any report and then inform the House. But I will take up this matter with the Chief Minister. He has already appointed a Judicial Commission. But their grievance seems to be that instead of a retired District Judge, a Supreme Court Judge should be appointed. I do not want to say anything about it. But I will definitely take up this matter with the Chief Minister and request him to personally look into the matter. *(Interruptions)*

उपसभापति : होम मिनिस्टर साहब के आश्वासन के बाद मुझे नहीं लगता कि उसमें कुछ रह गया है । जैन साहब, अभी होम मिनिस्टर साहब ने आश्वासन दे दिया है, अब बैठ जाइये ।

DR. JINENDRA KUMAR JAIN. 1 just want to add a small thing. Madam, I have in my hand a press release which

has been issued by the Chief Minister's secretariat. J do not want to politicise this issue. I am happy that cutting across party lines, everybody has opposed. • . *(Interruptions')*

उपसभापति : जैन साहब, आप अपनी बात संक्षेप में कहिये ।

Don't go into the preamble. Everybody has heard it. After the Home Minister's assurance, you should be satisfied. *(I«-terruptions)* Whose assurance to you wans?

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: I wish to inform the hon. Home Minister that the Chief Minister has ordered an enquiry into the incident leading to the Jains' procession turning violent as if the whole blame was of the Jain community. *(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, if it is true... *(Inter-(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have not permitted you, Mr. Gurudas Das Gupta. This is not a good habit of just getting up and start speaking. He is agitated. He must be agitated...*(Interruptions).* I have not permitted you. Anybody who speaks without my permission, his speech wiil not go on record. *(Interruptons).* Dr. Jain, that is over. *(Interruptions)*

DR. JINENDRA KUMAR JAIN; 1 want to inform the hon. Home Minister that the Chief Minister has already named a retired judge for enquiry. *(Interruptions)* ,

उपसभापति : बस, हो गया । आपने बोल दिया । होम मिनिस्टर साहब, इसको ध्यान में रखियेगा ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश): बैठिये, सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं ।

डा० जिनेंद्र कुमार जैन : उधर आप लोगों की पिटाई करते हैं, निहत्थे लोगों पर अत्याचार करते हैं और यहां पर आप लोगों की जबान भी बन्द करना चाहते हैं । आप प्रजातंत्र की हत्या करना चाहते हैं । . . . **(व्यवधान)** . . . मैडम, यह इस बात का परिचायक है कि पुलिस ने गोली चलाई है ।

डा० अब्दार अहमद (राजस्थान): मैडम, मैं आपके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी शासित प्रदेशों के चार मुख्य मंत्री कल अयोध्या गये थे और अयोध्या जाने के बाद उन्होंने जो केन्द्र सरकार को धमकी दी है कि यदि किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही की गयी तो इसके परिणाम घातक होंगे । मुझे याद आता है कि यह इस प्रकार की धमकी उस वक्त भी दी गयी थी जब आडवाणी जी रथ यात्रा पर थे । जब आडवाणी जी को रोका गया तो बड़े घातक परिणाम हुये । इसी प्रकार की यह धमकी कल अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी के चारों मुख्य मंत्रियों द्वारा दी गयी है । इस प्रकार की उस समय जब धमकी दी गयी थी तो उन प्रदेशों में खून-खराबा हुआ था । राजस्थान के मुख्य मंत्री श्री भैरों सिंह शेखावत उन चार मुख्य मंत्रियों में से एक हैं जिन्होंने उस समय यह धमकी दी थी और उस धमकी के बाद आडवाणी जी को जब रोका गया तो राजस्थान की राजधानी जयपुर के अन्दर पचास से ज्यादा लोगों की जघन्य हत्या हुई, लोगों को जिन्दा मारा गया, खून की नदियां बहा दी गयी और उसी मुख्य मंत्री ने कल उसके साथ वहां धमकी दी है कि यदि यू०पी० के बारे में कुछ किया गया तो घातक परिणाम होंगे ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि भारतीय जनता पार्टी शासित चारों प्रदेश सरकारों को बर्खास्त किया जाये . . . **(व्यवधान)** . . वहां से लोग पलायन कर रहे हैं और वह मुख्य मंत्री वहां जाकर के देश के लोगों को इस प्रकार से धमकी देते हैं . . . **(व्यवधान)** . . . महोदया, मैं माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि दोबारा खून की नदियां न बहने दी जायें । उन चारों राज्यों की सरकारों को बर्खास्त किया जाये . . . **(व्यवधान)** . . .

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : यह चार सरकारें कोई कांग्रेस वर्किंग कमेटी नहीं हैं, जब जी चाहे जिसको निकाल दें ।

डा० अबरार अहमद : महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि ऐसे मुख्य मंत्री को रखना इस देश के लिये घातक है, खतरनाक है . . . (व्यवधान) . . .

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : मैडम, यह देश के खिलाफ साजिश चल रही है . . . (व्यवधान)

उपसभापति : बैठिये ।

श्रीमती सत्या बहिन : महोदया, यह देश की और सदन की अवमानना है, यह राष्ट्रीय संविधान का अपमान है । ऐसी पार्टी की सरकार को बर्खास्त कर देना चाहिये । . . . (व्यवधान)

उपसभापति : बैठिये सत्या बहिन ।

The Chairman has permitted him.

श्रीमती सत्या बहिन : महोदया, इन सरकारों को तुरन्त बर्खास्त कर देना चाहिये । . . . (व्यवधान)

RE. BOFORS INVESTIGATION

SHRI RAJ MOHAN GANDHI (Uttar Pradesh): Madam Deputy Chairman, I am grateful for the opportunity given to me to raise an important matter regarding the rights and the status of our House. I am very glad that the Leader of the House and Home Minister is here. Madam, over the week-end the whole nation has been informed that the hon. Prime Minister is going to give a detailed answer to a sixteen-point questionnaire regarding the Bofors issue. So far so good. But I submit, Madam Deputy Chairman, that this matter is not a personal question between the Prime Minister on the one hand and another individual—it does not matter how eminent he is—on the other. This is a matter which concerns the nation, and above all, it concerns this Chamber. So I want to demand from the Home Minister an assurance that whatever the Prime Minister is going to state on this question, whether it is an answer to the sixteen-point questionnaire or any other new information that has come to light. . . .*(Interruptions)* . . .

डा० रत्नाकर पांडेय (उत्तर प्रदेश): वी०पी० सिंह की सरकार ने क्या किया (व्यवधान) आपका सुपर पावर के साथ, आप लोग देश को अस्थिर करने का प्लान बना रहे हैं । . . . (व्यवधान)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश): पंडित जी, बैठ जाइये । (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पांडेय : हमारे नेता राजीव गांधी का चरित्र हनन उनके मरने के बाद भी कर रहे हैं । आपको संतोष नहीं है । उनका चरित्र हनने करने के लिये आप जैसे प्रतिष्ठित खानदान को . . . (व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): I do not know how that concerns this House. . . . *(Interruptions)* . . .

डा० बापू कालदाते (महाराष्ट्र) : राजीव गांधी का बोफोर्स से क्या संबंध है ?

डा० रत्नाकर पांडेय : जिन्दा पर भी चरित्र हनन किया गया और मरने के बाद भी उनके चरित्र हनन की साजिश है । . . . (व्यवधान)

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan) : Why is the name of Rajiv Gandhi dragged into it? Madam, I strongly object to it. Why is the name of late Rajiv Gandhi dragged into this matter? Nobody has mentioned his name. We are not taking the name of late Rajiv Gandhi. . . *(Interruptions)*. . .

SHRI RAJ MOHAN GANDHI: Madam Deputy Chairman, I am not referring to any proceedings anywhere. I